भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **734**
दिनांक 21 नवम्बर , 2019 / 30 कार्तिक, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

एअर इंडिया विमान की दुर्घटना

734. **श्री के° षणमुग सुंदरम:**

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने इस बात का संज्ञान लिया है कि एअर इंडिया 922 उड़ान बोइंग 777-300 के मुंबई विमानपत्तन पर उतरते समय एरोब्रिज से टकरा गया और यात्री तथा ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ बाल-बाल बचे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोई जांच शुरू की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) एअरलाइंस द्वारा भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए क्या उपचारात्मक उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) से (ग): जी, हां। दिनांक 01.07.2016 को मैसर्स एअर इंडिया का बी777-200एलआर विमान वीटी-एएलजी मुम्बई में टैक्सी किए जाने के दौरान एयरोब्रिज से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गया था। इस घटना की जांच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसी) द्वारा की जा रही है तथा इससे विजुअल डॉकिंग गाइडेंस सिस्टम सेवा के लिए अनुपयोज्य होने का पता चला है। विमान की बे में पार्किंग के लिए मैनुअल मार्शिलिंग की जा रही थी। मार्शलर ने विमान की मार्शिलिंग से पूर्व विमान के टाइप का ज्ञान नहीं था। उसने विमान को स्टॉप-प्वांइट से आगे तक गाइड किया। इसके परिणामस्वरूप विमान स्टॉप प्वांइट से आगे बढ़ गया और एयरोब्रिज इंजन के सम्पर्क में आ गया, जिससे इंजन नष्ट हो गया। जांच के निष्कर्षों के अनुसरण में इस प्रक्रिया में शामिल मार्शलर तथा रैम्प सुपरवाइजर को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। एअर इंडिया द्वारा सुधारात्मक कार्रवाई के तौर पर अपनी मार्शिलिंग प्रक्रिया में संशोधन किए गए हैं।

*****